Name:-Pranali Shivale

## 

## **पाकिस्तान चुनाव: गठबंधन की खींचतान, अनिश्चित भविष्य**

पाकिस्तान में 2023 के आम चुनाव हुए, लेकिन अभी तक प्रधानमंत्री कौन बनेगा इस पर अनिश्चितता बनी हुई है। किसी भी पार्टी के पास अपने आप में सरकार बनाने के लिए बहुमत नहीं है, जिससे भारी उथल-पुथल मची हुई है।



**मुख्य बातें:**

* **सीटों का गणित:** राष्ट्रीय असेंबली में कुल 336 सीटों में से किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। नवाज शरीफ की पार्टी (पीएमएल-एन) के पास 79 सीटें, बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी (पीपीपी) के पास 54 सीटें, और इमरान खान की पीटीआई (चुनाव चिन्ह प्रतिबंधित होने के कारण निर्दलीयों के रूप में लड़ाई) के पास 101 सीटें हैं।
* **इमरान खान की चुनौतियाँ:** खान चुनाव परिणामों को विवादित करते हैं और सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें सेना के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।
* **सेना की भूमिका:**सेना की भूमिका और इमरान खान का रुख, दोनों ही पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। सेना, जो पाकिस्तान में एक शक्तिशाली संस्था है, वर्तमान में देश में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों का सामना कर रही है। ये प्रदर्शन विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक मुद्दों के कारण हो रहे हैं। संकट के इन क्षणों में, सेना पर देश की स्थिरता बनाए रखने और संकट का हल निकालने का दबाव है।
* **इमरान खान का रुख:** इमरान खान, जो पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के नेता हैं और पूर्व प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं, उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (PPP) की अगुवाई वाली पार्टियों के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है। इमरान खान का यह रुख उनके और उनकी पार्टी के राजनीतिक विचारों और नीतियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
* उनका मानना है कि PML-N और PPP के साथ गठबंधन करने से उनके राजनीतिक उद्देश्यों और नैतिक मूल्यों में समझौता होगा। इस प्रकार, इमरान खान ने इन पार्टियों के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग से इनकार करके, अपनी पार्टी की स्वतंत्रता और विशिष्ट पहचान को महत्व दिया है।
* **इमरान खान के संभावित सहयोगी:** उन्होंने पंजाब में एक छोटे दल (एमडब्ल्यूएम) से समर्थन हासिल किया है और खैबर पख्तूनख्वा में जमात-ए-इस्लामी से समर्थन के लिए बातचीत कर रहे हैं।
* **बाहरी प्रभाव:** रिपोर्टों से पता चलता है कि अमेरिका सेना पर खान की सरकार बनने की अनुमति देने का दबाव डाल रहा है, जबकि विरोध प्रदर्शन बढ़ने पर सेना के रुख बदलने की भी संभावना है।

वीडियो पाकिस्तान में अनिश्चित राजनीतिक माहौल पर प्रकाश डालता है, जहां अगले प्रधानमंत्री और भविष्य में उथल-पुथल की संभावना अभी भी स्पष्ट नहीं है।